Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना 1

प्रकाशकीय 2

श्री पद्मसागरसूरि म.सा. की दीक्षा पर्याय के स्वर्णिम ५० वर्ष 4

प्राक्कथन 6

कैलास श्रुतसागर सूची प्रकाशन की रूपरेखा 7

प्रस्तुत हस्तप्रत सूचीगत सूचनाओं का स्पष्टीकरण 8

प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत 11

हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य 12

अनुक्रमणिका 13

हस्तप्रत सूची १-४२३

परिशिष्ट: कृति परिवार की मूल कृति के अकारादि क्रम से..... ४२४-४२५

१. कृति नाम से प्रत-पेटा कृति क्रमांक सूची
(संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंशादि) ४२६-५०१

२. कृति नाम से प्रत-पेटा कृति क्रमांक सूची
(मा.गु., प्राचीन हिन्दी, राजस्थानी आदि) **५०२-५८९**

प्रस्तुत सूची पत्र में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - ५५८६ से ९३१४.
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किया होने से वास्तविक रूप से २५४९ प्रतों का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल ३०२९ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ३७९२ कृतियों का समावेश हुआ है.
- उपरोक्त कृतियाँ प्रतों में कुल ६६६६ बार आई हैं.

For Private And Personal Use Only